

मृदा स्वास्थ्य एवं जल प्रबंधन पर कृषकों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (CSSRI), क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ एवं एच.सी.एल. फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान में किया गया। यह कृषक प्रशिक्षण हरदोई जनपद के किसानों के लिए "एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (INM) के इनपुट का उत्पादन एवं एकीकृत जल प्रबंधन" विषय पर आयोजित २९ जून से ३ जुलाई के दौरान किया गया। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम का मकसद इनपुट के डेवलपमेंट और प्रोडक्शन के बारे में प्रैक्टिकल अनुभव और जानकारी देना है। साथ ही, इसमें सोडिक और जल-जमाव वाले इलाकों में खेत पर पानी के मैनेजमेंट, जलवायु के हिसाब से खेती के तरीकों, मिट्टी की सेहत के मैनेजमेंट और टिकाऊ खेती की एडवांस्ड तकनीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

इस ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन २९ जून को उत्तर प्रदेश सरकार के सीनियर एडवाइज़र डॉ. सी.पी. श्रीवास्तव ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने किसानों की क्षमता बढ़ाने और राज्य में खराब हो चुकी मिट्टी की उत्पादन क्षमता को बनाए रखने में योगदान देने के लिए आयोजकों की कड़ी मेहनत की तारीफ़ की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकारी पहल के अनुसार खाद का संतुलित इस्तेमाल किया जाना चाहिए और इसके साथ ही विकल्प के तौर पर उपलब्ध विभिन्न ऑर्गेनिक और बायो-इनपुट का भी इस्तेमाल करना चाहिए। गेस्ट ऑफ़ ऑनर के तौर पर मौजूद BBAU, लखनऊ के प्रोफ़ेसर नवीन कुमार अरोड़ा ने फ़ार्म लेवल पर बायोलॉजिकल इनपुट तैयार करने के फ़ायदों पर रोशनी डाली; इससे केमिकल का इस्तेमाल कम होता है और यह पर्यावरण, इंसानों और मिट्टी की सेहत के लिए सुरक्षित होता है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, लखनऊ के हेड डॉ. ए.के. दुबे ने मेहमानों और किसानों का स्वागत किया और रिसर्च स्टेशन की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि धान-गेहूँ के अलावा, ज़्यादा कीमत वाली फलों की फ़सलों का उत्पादन आय बढ़ाने और संसाधनों के ज़्यादा इस्तेमाल से बचने में मदद कर सकता है। शुरुआत में, ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रधान वैज्ञानिक और कोर्स डायरेक्टर डॉ. संजय अरोड़ा ने प्रैक्टिकल अनुभव के साथ क्षमता निर्माण की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला और कहा कि यह ट्रेनिंग युवा किसानों को अनुभव और वैज्ञानिक जानकारी देगी और फ़ार्म स्तर पर एग्रो-इनपुट के लिए उद्यमिता कौशल विकसित करेगी। एचसीएल फाउंडेशन के सांडी प्रोजेक्ट के लीड डॉ. पंकज औदित्य ने इस संयुक्त प्रयास के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र के किसानों की चुनौतियों और इस 5-दिवसीय कार्यक्रम में शामिल विशेषज्ञों और ट्रेनिंग प्रोग्राम से उम्मीदों के बारे में संक्षेप में बताया। हरदोई से एचसीएल फ़ाउंडेशन के अधिकारियों और फ़्रील्ड कर्मचारियों के साथ कुल 30 किसानों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र का समापन ट्रेनिंग के कोऑर्डिनेटर डॉ. अर्जुन सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।





समापन समारोह ३ जुलाई को आयोजित किया गया जिस में मुख्य अतिथि डॉ संजीव कुमार, उप महा निदेशक उत्तर प्रदेश कृषि अनुसन्धान परिषद्, लखनऊ ने संसथान की इस तरह के कार्यक्रम किसान हित व प्रदेश में जागरूकता के लिए आयोजन के लिए संसथान की सरहाना की।प्रधान वैज्ञानिक डॉ सुनील कुमार झा ने आयोजन में सहयोग करते हुए मंच सञ्चालन किया। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. रहमान, डॉ. अनूप कुमार दीक्षित कृषि विज्ञान केंद्र, सीतापुर के अध्यक्ष डॉ. दया श्रीवास्तव एवं एचसीएल के श्री तौफीक अहमद, अजाज आलम, राहुल एवं राकेश कुमार मौजूद रहे।

